OM - 14 - 2021 FINAL_Page 1 and 2 28/09/2021 5:11 PM Page 12

दिव्य... अलौकिक समर्पण समारोह

विश्व कल्याणार्थ आजीवन समर्पण समारोह सम्पन्न

सप्तम् शिव कन्याओं का जीवन शिव सेवा समर्पणम्...

छतरपुर-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा दिव्य कन्याओं के भव्य अलौकिक समर्पण समारोह में सभी कन्याओं के माता-पिता एवं सगे-सम्बंधियों ने अपनी बच्चियों को परमपिता परमात्मा को समर्पित किया एवं राजयोगिनी ब्र.कु. अवधेश बहन के हाथ में हाथ देकर कन्यादान किया। स्थानीय सेवाकेन्द्र की सात कन्याओं ने परमपिता परमात्मा को जीवनसाथी के रूप में स्वीकार करते हुए अलौकिक रीति-रिवाज़ के साथ विश्व कल्याण अर्थ अपना जीवन समर्पित किया। समर्पित होने वाली कन्याओं ने अपने जीवन के दिव्य अनुभवों को साझा किया और परमात्मा के प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त किया व शिव परमात्मा को साक्षी मान प्रति सात वचन दृढ़ संकल्प के स्व कल्याण एवं विश्व कल्याण रूप में छतरपुर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शैलजा बहन द्वारा संकल्पित कराया गया। पंडित प्रेम नारायण त्रिपाठी ने विधि-विधान से मंत्रोच्चार का वाचन कर अलौकिक विवाह सम्पन्न कराया। मुख्य अतिथ के रूप में विधायक नीरज दीक्षित, विशिष्ट अतिथि अलीगढ़ के ब्र.कु. सत्यप्रकाश एवं टीकमगढ़ के एडवोकेट रघुवीर चौबे सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। विधायक दीक्षित जी ने समर्पित कन्याओं और उनके माता-पिता को नमन करते हुए उनका सम्मान किया। आगरा, टीकमगढ़, सागर, सतना, अलीगढ़, खजुराहो व नौगांव से आई ब्रह्माकुमारी बहनों ने भी अपने विचार रखे। संचालन ब्र.कु. कल्पना बहन ने किया।

> क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. अवधेश दीदी ने आशीर्वचन देते हुए समर्पण का अर्थ समझाया। उन्होंने बताया कि जीवन में चार बातों की ज़रूरत होती है पवित्रता, त्याग, तपस्या और सेवा। चारों बातों को विस्तार से समझाते हुए बताया कि इन्हें अपने जीवन में धारण कर अपना जीवन सफल बनाया जा सकता है।

श्रीकृष्ण की सृष्टि में जाने का है पुरुषार्थ

नरसिंहपुर-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के दिव्य संस्कार भवन सेवाकेन्द्र द्वारा जन्माष्टमी महोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। छोटे-छोटे बच्चों ने कई सांस्कृतिक कार्यक्रम गीत, नृत्य एवं कविताओं के साथ श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं को बड़े ही मनमोहक रूप से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु. कुसुम बहन ने कहा कि जब सम्पूर्ण आत्मायें पवित्र और योगी बन जाती हैं तभी इस सृष्टि पर दैवी राजकुमार श्री कृष्ण और दैवी राजकुमारी श्री राधे का जन्म होता है और इसी जन्म के यादगार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के रूप में मनाते हैं। हम सभी उस पावन सृष्टि में जाने का पुरुषार्थ कर रहे हैं जहाँ सभी राधे-कृष्ण की तरह पवित्र, सतोप्रधान और सोलह कला सम्पूर्ण होंगे। हम भी जाकर यह भविष्य प्रिन्स-प्रिन्सेज़ बनेंगे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव राजेश सक्सेना ने कहा कि मेरे लिए यह सौभाग्य का विषय है कि मैं इस स्थान पर आ सका हूँ, यह परमात्मा शिव की कृपा के बिना संभव नहीं है। यहाँ दीदी के सानिध्य में निश्चित रूप से हम सभी शांति, सुख और आनंद के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे और एक बेहतर इंसान के रूप में, एक बेहतर मानव के रूप में अपनी और अपने देश की सेवा कर सकेंगे। श्रीकृष्ण और उनका मक्खन इस बात का प्रतीक है कि हम सदैव पवित्रता का व्रत धारण करें और धन-धान्य से फलीभूत रहें। उन्होंने सभी को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनायें देते हुए कार्यक्रम में उन्हें आमंत्रित किये जाने के लिए आभार व्यक्त किया।

भावी पीढ़ी के वास्तुकार हैं शिक्षक

धमतरी-छ.ग.। शिक्षक दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ के स्थानीय सेवाकेन्द्र में 'शिक्षक भावी पीढ़ी के वास्तुकार' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में सुरेश देशमुख,साहित्यकार एवं पूर्व प्रोफेसर,पी.जी. कॉलेज धमतरी, बहन मनदीप खालसा,प्रोफेसर,पी.जी. कॉलेज धमतरी, कामिनी कौशिक,साहित्यकार,शिक्षक, ब्र.कु. सरिता दीदी व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बहन मनदीप खालसा ने कहा कि जिनसे भी हमें कुछ सीखने को मिलता है वे सभी हमारे गुरू हैं। ज्ञान से बड़ा कोई दान नहीं है और गुरू से बड़ा कोई दानी नहीं। कोरोनाकाल में भी शिक्षकों की भूमिका बच्चों के भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण रही है। सुरेश देशमुख ने अपने बचपन के शिक्षकों को और उनके द्वारा मिली शिक्षाओं को याद किया जो बहुत ही प्रेरणादाई थे। ब्र.कु. सरिता दीदी ने कहा कि हम सबका परम शिक्षक परमात्मा है जिन्होंने सबके अंदर कोई न कोई विशेषता भरी है, गुण दिया है। शिक्षक ही भावी पीढ़ी के वास्तुकार हैं, शिल्पकार हैं, जिनकी स्मृति में निर्माण ही रहता है। कार्यक्रम का संचालन कामिनी कौशिक ने किया।

ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र पर रक्तदान शिविर का आयोजन

झोझूकलां-कादमा(हरियाणा)। दादी प्रकाशमणि महान व्यक्तित्व की धनी थीं। उन्होंने त्याग, तपस्या व सेवा के बल से समूचे विश्व में भारतीय संस्कृति को जीवित रखा। उक्त विचार स्थानीय सेवाकेन्द्र में ब्रह्माकुमारीज़ एवं हिन्दुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स द्वारा आयोजित 'रक्तदान शिविर' में जयहिंद मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कौशिक ने दादी जी को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए व्यक्त किये। उन्होंने रक्तदाताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि रक्तदान जीवन दान है, किसी के जीवन को बचाना बहुत बड़ी सेवा है। हरियाणा योग आयोग के रजिस्ट्रार हरीशचंद्र आर्य ने कहा कि हिन्दुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स द्वारा रक्तदान शिविरों का शतक काबिले तारीफ है। जैसे दादी प्रकाशमणि ने विश्व बंधुत्व का पाठ पढ़ाया, उन्हीं के पद चिन्हों पर चलकर हमें समाज को एकजुटता में बांधे रखना है। सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. वसुधा बहन ने कहा कि दादी जी ने सभी को धैर्य, आशा और उमंग का पाठ पढ़ाया जिसके बल पर ही हम समाज को आध्यात्मिक, नैतिक व मानवीय मूल्यों में बांध दिव्य बना सकते हैं, तभी हमारा भारत देश पुनः विश्व गुरू कहलायेगा। गृह मंत्रालय नई दिल्ली की निदेशक बहन चित्रलेखा ने इस अवसर पर कहा कि रक्त एक ऐसी चीज़ है जो लेबोरेटरी में नहीं बनती। हिन्दुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स के जिला मीडिया प्रभारी बिशन सिंह आर्य ने कहा कि रक्तदान युवाओं में सकारात्मक ऊर्जा पैदा करता है। मौके पर अशोक शर्मा,चेयरमैन,शिक्षण संस्थान, सुरेन्द्र आर्य चंदैनी, अशोक थालौर,समाजसेवी, सतवीर शर्मा आदि उपस्थित रहे तथा रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

ब्रह्माकुमारीज़ एवं हिन्दुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स द्वारा आयोजित 'रक्तदान शिविर'

शिविर में 43 लोगों ने किया रक्तदान

भारत सरकार में जीएसटी टैक्सेशन अधिकारी प्रमोद श्योराण की उपस्थिति में सेवाकेन्द्र पर हुआ वृक्षारोपण

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/21-23, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2021-23, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 3rd Oct, 2021
स्वामी - राजयोगा एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन, प्रकाशक एवं सम्पादक - गंगाधर नरसिंघानी, मुद्रक - श्री मुकेश मंगल, डी.बी. कॉर्प.लि. द्वारा भास्कर प्रिन्टिंग प्रेस,शिवदासपुरा, टोंक रोड,जयपुर से मुद्रित एवं ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन, आबू रोड(राज.)- 307510
See Latest News: www.omshantimedia.org